**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**राज्य सभा**
**लिखति प्रश्न संख्या :1627**
**सोमवार, 03 अगस्त 2026 (12 श्रावण, 1948, (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर**

**क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मज़बूत करने के लिए संशोधित उड़ान योजना**

**1627. डॉ. सतीश पूनियाः**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा अनुमोदित की गए संशोधित उड़ान योजना की मुख्य विशेषताएं और उसे लागू करने की कार्यनीति क्या है;
(ख) संशोधित उड़ान योजना के अंतर्गत देश भर में नए हवाई पत्तनों, हवाई पट्टियों, हेलीपैडों और क्षेत्रीय हवाई मार्गों के विकास के क्या लक्ष्य हैं;
(ग) विशेषतः अल्प सेवित, दूर-दराज के और आकांक्षी क्षेत्रों में क्षेत्रीय हवाई संपर्क की आर्थिक व्यवहार्यता और दीर्घकालिक संधारणीयता को बेहतर बनाने के लिए क्या उपाय किये गए हैं; और
(घ) 'विकसित भारत 2047' के विजन के अंतर्गत इस योजना का क्षेत्रीय संपर्क, पर्यटन, रोजगार सृजन, निवेश और संतुलित क्षेत्रीय विकास पर क्या प्रभाव पड़ने की उम्मीद है?

**उत्तर**

**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क) से (घ): 'उड़ान' योजना के अगले चरण का शुभारंभ दिनांक 04.07.2026 को अगले 10 वर्षों में 120 नए गंतव्यों और 4 करोड़ यात्रियों को लक्षित करते हुए, देश भर के टियर 2 और टियर 3 शहरों और दूरस्थ क्षेत्रों में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। इस योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक 28,840 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसमें एयरोड्रोम विकास के लिए 12,159 करोड़ रुपये और पर्वतीय, पूर्वोत्तर और आकांक्षी (एचआईएनईआर) राज्यों/जिलों में 200 हेलीपोर्टों के विकास के लिए 3,661 करोड़ रुपये का परिव्यय शामिल हैं।

यह योजना एक चैलेंज मोड फ्रेमवर्क प्रदान करती है जिसके तहत राज्य सरकारें विकास हेतु हवाईपट्टियों को निर्धारित कर सकती हैं। प्रस्तावों का मूल्यांकन भूमि की उपलब्धता, अवसंरचनात्मक तैयारी, तकनीकी और प्रचालन व्यवहार्यता, यातायात क्षमता, सांविधिक मंजूरियों और राज्य सरकार के समर्थन के आधार पर किया जाता है।

'उड़ान' योजना के तहत सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, राज्य सरकारों को उच्च क्षमता वाले एयरोड्रॉमों को चिह्नित करने और उन्हें प्राथमिकता देने का कार्य सौंपा गया है, जबकि एयरलाइनों के लिए मार्गों के अवॉर्ड से पूर्व व्यावसायिक योजनाओं को प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।

'उड़ान' योजना का अगला चरण मार्ग के पूर्ण विकास के लिए पर्याप्त समय देने हेतु टेपर्ड तंत्र के साथ लंबी अवधि के वीजीएफ समर्थन के माध्यम से मार्गों की संधारणीयता को सुदृढ़ करता है। एयरोड्रोमों के लिए समर्पित ओ एंड एम समर्थन के प्रावधान द्वारा हवाईअड्डे की संधारणीयता संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

'उड़ान' योजना का मुख्य उद्देश्य संपर्क और पहुंच में सुधार करके, पर्यटन और उद्योग को बढ़ावा देकर, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच बढ़ाकर और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न करके असेवित और अल्पसेवित क्षेत्रों को सुदृढ़ करना है।

*****